N.E.W. SEMINARY उपदेश सामग्री

तूफान में अनुग्रह के पाँच साधन

पास्टर हून किम, 27 सितंबर 2026, योना 1:4-17

पास्टर हून किम योना 1:4–17 का अध्ययन करते हुए अनुग्रह के उन पाँच संप्रभु साधनों को प्रकट करते हैं जिन्हें परमेश्वर जीवन के तूफ़ानों में काम में लाते हैं, ताकि वे हमारी आत्मनिर्भरता को दूर करके हमें सच्चे पश्चाताप की ओर खींच सकें। जहाज़ के माल को फेंकने से लेकर बड़ी मछली के प्रबंध तक, यह संदेश दिखाता है कि परमेश्वर का लगातार पीछा करना अंततः क्रूस की उद्धारकारी दया की ओर ले जाता है।

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से कोरियाई से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-09-27-new-jonah-1-five-means-of-grace-in-the/

एक नज़र में · शिक्षा के नोट्स · पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका · शब्द अध्ययन · स्थान और समयरेखा · शिक्षा की रूपरेखा · अध्ययन मार्गदर्शिका · प्रार्थना · दोहराने के प्रश्न · तीन मिनट में · एक सप्ताह के WhatsApp संदेश

स्लाइड

- स्लाइड 1: तूफान में अनुग्रह के पाँच साधन
- स्लाइड 2: इब्रानी शब्द Hitil: फेंकना या उछालना
- स्लाइड 3: बालकों जैसा विश्वास बनाम बचकाना विश्वास
- स्लाइड 4: अप्रत्याशित संदेशवाहकों के द्वारा परमेश्वर की आवाज़
- स्लाइड 5: संयोग से ईश्वरीय अनिवार्यता तक
- स्लाइड 6: आप कौन हैं?
- स्लाइड 7: क्रूस: अनुग्रह का सर्वोच्च साधन

एक नज़र में

एक नज़र में: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

- **Korean Title:** 하나님의 은혜

- **English Title:** Five Means of Grace in the Storm
- **Date Preached:** 27 सितंबर 2026
- **Preacher:** पास्टर हून किम
- **Church:** N.E.W. Church (New Exodus in Wilderness)
- **Main Passage:** योना 1:4–17

मूल सत्य

हमारे जीवन के भयंकर तूफ़ानों में, परमेश्वर हमारा नाश करने के लिए नहीं, बल्कि हमें हमारी आत्मनिर्भरता से खाली करने और अनुग्रह के विभिन्न, संप्रभु साधनों के द्वारा हमें पश्चाताप की ओर खींचने के लिए निरंतर हमारा पीछा करते हैं।

सारांश

जब योना यहोवा के सम्मुख से तर्शीश की ओर भागा, तब परमेश्वर ने अपने भागे हुए नबी को रोकने के लिए समुद्र पर एक भयंकर तूफ़ान भेजा। पास्टर हून किम यह स्पष्ट करते हैं कि परमेश्वर केवल बिना किसी कारण के मनमाना कष्ट नहीं भेजते, बल्कि इस संकट के बीच अनुग्रह के पाँच विशिष्ट साधन काम में लाते हैं: हमें खाली करने वाला तूफ़ान, एक अविश्वासी जहाज़ के कप्तान की अप्रत्यक्ष डाँट, चिट्ठी डालने का संप्रभु प्रबंध, अन्यजाति मल्लाहों के पहचान परखने वाले प्रश्न, और एक बड़ी मछली का चमत्कारी प्रबंध। बचकानी ज़िद के द्वारा तुरंत अपने मनचाहे समाधान की माँग करने के बजाय, सच्चा विश्वास जीवन की इन रुकावटों में नम्रता से परमेश्वर के हाथ को पहचानता है। अंततः, तूफ़ान में परमेश्वर का यह निरंतर पीछा करना योना से आगे बढ़कर क्रूस के चिह्न की ओर संकेत करता है, जहाँ ईश्वरीय दया टूटे हुए पापियों का उद्धार करती है और उन्हें अपने धार्मिक अहंकार को समर्पित करने के लिए बुलाती है।

मुख्य भाग

1. **दुख और तूफ़ान का अनुग्रह जो हमें खाली करता है (योना 1:4–5)**: यह तूफ़ान कोई दुर्घटना नहीं है, बल्कि हमारे सांसारिक माल, मानवीय घमंड और धार्मिक अहंकार को उतार फेंकने के लिए परमेश्वर का एक संप्रभु साधन है, ताकि हम केवल उसी पर निर्भर रहें।
2. **बालक जैसा सच्चा विश्वास बनाम बचकानी माँगें (इब्रानियों 5; योना 1:4–5)**: बचकाना विश्वास तुरंत अपने तय किए हुए समाधानों की माँग करता है, जबकि बालक जैसा सच्चा विश्वास अधूरी परीक्षाओं के बीच भी परमेश्वर के स्वभाव और उसकी संप्रभुता पर विश्राम पाता है।
3. **अन्यजातियों के माध्यम से परमेश्वर के अप्रत्यक्ष रूप से बोलने का अनुग्रह (योना 1:6; योना 1:2; योना 3:9; प्रेरितों 2:37; प्रेरितों 7:54–60)**: जब हम परमेश्वर के प्रत्यक्ष वचन के प्रति अपने हृदयों को कठोर कर लेते हैं, तब वह दयापूर्वक हमारी आत्मिक नींद का सामना करने और हमें पश्चाताप में बुलाने के लिए अविश्वासियों सहित अप्रत्याशित आवाज़ों का उपयोग करते हैं।
4. **चिट्ठी डालने का ईश्वरीय प्रबंध जो संयोग को निश्चितता में बदल देता है (योना 1:7)**: जिसे संसार महज़ संयोग या अंधा भाग्य कहकर टाल देता है, वह वास्तव में परमेश्वर की संप्रभु आवश्यकता है, जो उस

दयालु परमेश्वर के समान जो कभी पीछा नहीं छोड़ते, अपने भागते हुए दासों का संप्रभुता से सुराग लगाते हैं।

5. **हमारी पहचान को उजागर करने वाले प्रश्न का अनुग्रह (योना 1:8–12; भजन संहिता 119:71)**: अन्यजाति मल्लाहों द्वारा की गई पूछताछ ऊपरी पदवियों को हटा देती है और योना को उसकी पारंपरिक धर्मसैद्धांतिक स्वीकारोक्ति और उसके विद्रोही मन के बीच की गहरी खाई का सामना करने के लिए विवश करती है।
6. **तैयार की गई मछली और क्रूस का अनुग्रह (योना 1:13–17; 1 कुरिन्थियों 10:13; मत्ती 12:39)**: यहाँ तक कि जब योना आज्ञाकारिता के बजाय डूबना पसंद करता है, तब भी परमेश्वर उसे जीवित रखने के लिए एक बड़ी मछली तैयार करते हैं, जो योना के अंतिम चिह्न और क्रूस की दया की ओर संकेत करती है जो निरंतर हमारा पीछा करती है।

शिक्षा के नोट्स

शिक्षण नोट्स: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

- **भविष्यद्वाणीपूर्ण व्यंग्य और राष्ट्रीय आत्म-मूल्यांकन के रूप में योना**: योना केवल एक रूपक कहानी या बच्चों की कोई सरल कहानी नहीं है, बल्कि पुराने नियम के धर्मशास्त्र संग्रह की एक प्रेरित भविष्यद्वाणी की पुस्तक है जो इस्राएल राष्ट्र के सामने एक दर्पण रखती है। योना ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के इस्राएल की उस हठीली, संकीर्ण जातीयतावादी और आत्मसंतुष्ट भावना को दर्शाता है, जिसने अन्यजातियों को तुच्छ जानते हुए और परमेश्वर के सार्वभौमिक उद्धारकारी मन का विरोध करते हुए भी ईश्वरीय अनुग्रह का आनंद लिया।
- **"दादी की हड्डियों का सूप" का सिद्धांत (अक्षरशः व्याख्या बनाम साहित्यिक व्याख्या)**: पास्टर किम ने कोरियाई संस्कृति का एक हास्यप्रद रूपक प्रस्तुत किया: कोरियाई भाषा सीखने वाला एक विदेशी व्यक्ति *halmeoni ppye-haejangguk* ("दादी की हड्डियों का हैंगओवर सूप") का बोर्ड पढ़कर डर से काँप सकता है, यह सोचकर कि यह सूप सचमुच किसी दादी की हड्डियों से पकाया गया है। ठीक इसी प्रकार, साहित्यिक शैलियों, ऐतिहासिक संदर्भ, मुहावरों और मूल भाषाओं को समझे बिना बाइबल के साहित्य को केवल कठोर और सपाट रूप से शब्द-दर-शब्द पढ़ना भयानक गलत व्याख्याओं, विधिवाद और झूठे पंथों की ओर ले जाता है।
- **तर्शीश के व्यापारिक जहाज़ का आधुनिक उदाहरण**: याफ़ा से तर्शीश जाने वाला जहाज़ भूमध्य सागर का एक उच्च स्तरीय व्यापारिक जहाज़ था जिसमें भारी मूल्यवान व्यापारिक माल लदा हुआ था, जो प्राचीन काल में एक अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मालवाहक विमान या आलीशान जहाज़ के समान था। इस माल को समुद्र में फेंकना नाविकों और व्यापारियों के लिए एक अत्यंत बड़ा आर्थिक विनाश था, जो इस तूफ़ान की घोर लाचारी को रेखांकित करता है।

पुरातत्व, स्थान और भूगोल

- **तर्शीश**: भूमध्य सागर के उस पार योना के लक्षित गंतव्य के रूप में उल्लिखित (अक्सर आधुनिक दक्षिणी स्पेन के तारतेसोस से जोड़ा जाता है)। यह प्राचीन समुद्री संसार की सबसे दूर ज्ञात पश्चिमी सीमा को दर्शाता था, जो पूर्व में स्थित नीनवे (आधुनिक इराक में) के भौगोलिक और आत्मिक दोनों दृष्टि से ठीक विपरीत था।
- **भूमध्य सागर**: इसे उस रंगभूमि के रूप में दर्शाया गया है जहाँ परमेश्वर सक्रिय रूप से अपने संप्रभु ब्रह्मांडीय अधिकार को प्रकट करते हैं। जहाँ प्राचीन निकट पूर्व के लोग खुले समुद्र को अराजक, भयानक देवताओं या अदम्य प्राकृतिक शक्तियों का क्षेत्र मानते थे, वहीं बाइबल का पाठ यहोवा को एकमात्र स्वामी के रूप में प्रस्तुत करता है जो लहरों को उठाता और शांत करता है।

मूल भाषा की अंतर्दृष्टि

- **"फेंकना / गिराना" का दोहराव (*tul* / *hiphil* रूप *hitil*)**: जबकि योना 1:1–3 में "बड़ा" (*gadol*) विशेषण पर बल दिया गया है, पद 4–17 संरचनात्मक रूप से इब्रानी मूल शब्द *tul* (투아하다, 던지다) पर केंद्रित हैं:
- यहोवा ने समुद्र पर एक प्रचंड आँधी चलाई (*hitil*) (योना 1:4)।
- डरे हुए मल्लाहों ने जहाज़ को हल्का करने के लिए माल समुद्र में फेंक दिया (*vayyatilu*) (योना 1:5)।
- योना ने मल्लाहों को निर्देश दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें (*hatiluni*) (योना 1:12)।
- अंत में मल्लाहों ने योना को उस उफनते गहरे समुद्र में फेंक दिया (*vayyatiluhu*) (योना 1:15)। पास्टर किम ने समझाया कि यह बार-बार आने वाली क्रिया एक सोची-समझी साहित्यिक युक्ति है जो परमेश्वर के संप्रभु संचालन को दर्शाती है: परमेश्वर सांसारिक सुरक्षा और मानवीय स्वेच्छा को त्यागने और खाली करने के लिए विवश करने हेतु तूफ़ान भेजते हैं।
- **बुलाहट की शाब्दिक समानता (*qum, qara*)**: योना 1:6 में, अन्यजाति कप्तान योना को आज्ञा देता है: "उठ, पुकार!" (*qum qəra*)। यह ठीक वही दो इब्रानी आज्ञावाचक शब्द हैं जो यहोवा ने योना 1:2 में सीधे योना से कहे थे ("उठ, उस बड़े नगर नीनवे को जा... और उसके विरुद्ध प्रचार कर [पुकार]")। योना उसी आज्ञा से बचने के लिए भागा था, फिर भी परमेश्वर ने अपने ही प्रत्यक्ष वचनों को एक अन्यजाति नाविक के मुँह में रख दिया।
- **जहाज़ के लिए खतरा (योना 1:4 में मानवीकरण)**: योना 1:4 के इब्रानी मूल पाठ में जहाज़ का मानवीकरण किया गया है: *vəha'oniyyah xiššəvah ləhiššaver*, जिसका शाब्दिक अर्थ है, "जहाज़ ने सोचा / हिसाब लगाया कि वह टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा।" पास्टर किम ने ध्यान दिलाया कि परमेश्वर ने योना की चुनी हुई शरणस्थली को विनाश के कगार तक हिला दिया, फिर भी दयापूर्वक उसे पूरी तरह डूबने से बचा लिया।
- **ऊरीम और थुम्मीम**: इस्राएल के महायाजक के चपरास में रखे जाने वाले चिट्ठी डालने के पवित्र साधन (निर्गमन 28:30)। यह इब्रानी मूल शब्दों से लिप्यंतरित हैं जिनका अर्थ "प्रकाश" (*urim*) और "पूर्णता / खराई" (*tummim*) है, जिनका उपयोग राष्ट्रीय संकटों में ईश्वरीय निर्णय जानने के लिए किया जाता था।

आत्मिक सत्य और अनुप्रयोग

1. हमें खाली करने के साधन के रूप में दुख (योना 1:4–5)

- परमेश्वर द्वारा भेजे गए संकट बिना सोचे-समझे नहीं आते; उनका एक निश्चित उद्धारकारी उद्देश्य होता है।
- जब परीक्षाएँ आती हैं, तो विश्वासी स्वाभाविक रूप से उस परमेश्वर को खोजने के बजाय जो तूफ़ान को नियंत्रित करता है, तुरंत कोई समाधान (*해결책*) खोजने में लग जाते हैं।
- परमेश्वर हमारी बनावटी शरणस्थलियाँ को ज़ोर से हिलने देते हैं, और हमें उस कगार पर ले आते हैं जहाँ हमें लगता है कि हम दिवालिया, बर्बाद या शारीरिक रूप से टूट जाएँगे, फिर भी वे हमारे प्राणों की रक्षा करते हैं ताकि हम अपनी सांसारिक संपत्ति, आत्मनिर्भरता और धार्मिक घमंड को छोड़ने के लिए विवश हो जाएँ।

2. बचकाना विश्वास बनाम बालक जैसा विश्वास (इब्रानियों 5; योना 1:4–5)

- **बचकाना विश्वास (*유치한 신앙*)**: यह आत्म-केंद्रित ज़िद (*땡깡 부리는 신앙*) से पहचाना जाता है। यह मान लेता है कि उसे सही उत्तर पता है, परमेश्वर के साथ किसी वेंडिंग मशीन या अन्यजाति देवता जैसा व्यवहार करता है, और आत्मिक परिपक्वता या खतरे की परवाह किए बिना तुरंत अपनी इच्छा पूरी करने की माँग करता है।
- **बालक जैसा विश्वास (*어린아이와 같은 믿음*)**: यह वह परिपक्व और भरोसेमंद रवैया है जिसकी यीशु ने सराहना की थी। यह अपने समाधान थोपने या अपनी समझ का सहारा लेने की कोशिश नहीं करता, बल्कि स्वयं परमेश्वर के स्वभाव, भलाई और संप्रभु पिता होने पर निश्चिंत होकर विश्राम पाता है।

3. अप्रत्यक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह (योना 1:6)

- जब कोई विश्वासी परमेश्वर के प्रत्यक्ष प्रगट वचन का हठपूर्वक विरोध करता है, तो परमेश्वर दयापूर्वक उसका सामना करने के लिए अप्रत्यक्ष संदेशवाहकों, जैसे अविश्वासियों, सांसारिक सहकर्मियों, परिवार के सदस्यों या जीवन के संकटों को भेजते हैं।
- जिस प्रकार नातान ने दाऊद के कठोर अंतःकरण को भेदने के लिए चुराई गई भेड़ के बच्चे का दृष्टांत उपयोग किया (2 शमूएल 12), उसी प्रकार परमेश्वर हमारी आत्मिक नींद को तोड़ने के लिए सांसारिक आवाज़ों का उपयोग करते हैं।
- किसी अप्रत्यक्ष माध्यम से सत्य को सुनना अक्सर हमारे पापी स्वभाव में रक्षात्मक क्रोध भड़का देता है (जैसे वैवाहिक विवादों में देखा जाता है, जहाँ जीवनसाथी आहत घमंड के कारण सही डाँट को भी अस्वीकार कर देता है)। नम्र विश्वासी पवित्र आत्मा की ताड़ना को पहचानते हैं, जबकि कठोर मन वाले क्रोध से प्रतिक्रिया करते हैं (प्रेरितों 2:37 की भीड़ और प्रेरितों 7:54–60 में स्तिफनुस को पथराव करने वालों के अंतर को देखें)।

4. "संयोग" पर ईश्वरीय प्रबंध का अनुग्रह (योना 1:7)

- जिसे अन्यजाति संसार "भाग्य" या "संयोग" कहता है, विश्वास की आँखें उसे परमेश्वर की संप्रभु आवश्यकता के रूप में पहचानती हैं।
- परमेश्वर ने योना की पहचान करने के लिए मल्लाहों के चिट्ठी डालने का भी उपयोग किया, यह दिखाते हुए कि कोई भी मानवीय चिट्ठी या परिस्थिति उनकी संप्रभु योजना से बाहर नहीं है।

- उस दयालु परमेश्वर की तरह जो कभी अपने जन का पीछा नहीं छोड़ते, परमेश्वर भागती हुई आत्मा का निरंतर पीछा करते हैं और तब तक हर भागने का दरवाज़ा व्यवस्थित रूप से बंद करते रहते हैं जब तक कि वह व्यक्ति पूरी तरह समर्पण न कर दे।

5. सच्ची पहचान का सामना करना (योना 1:8–12)

- मल्लाहों के लगातार सवालों ने ("तू कौन है? तेरा काम क्या है? तू कहाँ से आता है?") बाहरी और सांसारिक पहचान को पूरी तरह छीलकर अलग कर दिया।
- मानवीय पहचान को केवल अपने भीतर से (नाम, व्यवसाय, राष्ट्रीयता या शरीर से) परिभाषित नहीं किया जा सकता; इसे केवल एक व्यक्तिगत, सर्वोच्च सृष्टिकर्ता के संबंध में ही सही रूप से परिभाषित किया जा सकता है (लैटिन शब्द *religare*, धर्म का मूल शब्द, जो संबंध/जुड़ाव को दर्शाता है)।
- योना के पास त्रुटिहीन शुद्ध धर्मसिद्धांत था ("मैं इब्रानी हूँ; और स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ, जिसने जल और थल दोनों को बनाया है"), लेकिन उसका जीवन उसके अंगीकार के बिल्कुल विपरीत दिशा में भाग रहा था। नम्र आज्ञाकारिता के बिना त्रुटिहीन धर्मसिद्धांत केवल निर्लज्ज और खोखले धर्म को जन्म देता है।

6. तैयार की गई मछली और क्रूस की छाया (योना 1:13–17; मत्ती 12:39)

- योना ने पश्चाताप करने के बजाय डूब जाना बेहतर समझा, और मल्लाहों से कहा कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। फिर भी परमेश्वर का संप्रभु अनुग्रह मनुष्य के हठ से कहीं अधिक बड़ा है।
- परमेश्वर ने न्याय की गहराइयों में भी योना के जीवन की रक्षा करने के लिए उसे निगलने हेतु एक बड़ी मछली ठहराई।
- पास्टर किम ने अपने चालीसवें दशक के उत्तरार्ध की एक व्यक्तिगत गवाही साझा की: बिना किसी आय के सेवकाई से इस्तीफा देने के बाद जर्मनी में तीन महीने फंसे रहे, कोरिया में लाखों वॉन का क्रेडिट कार्ड का बढ़ता कर्ज़ सामने था, और वे चिंता तथा कड़वाहट से जूझ रहे थे; लेकिन कोरिया लौटने पर उन्हें पता चला कि एक विश्वासी डीकन ने गुप्त रूप से कई महीनों का दशमांश इकट्ठा किया था, जिसने एक ही दिन में पूरे कर्ज़ को चुका दिया और देहाती सेवकाई के लिए उनकी बुलाहट की पुष्टि की।
- योना का यह चिह्न अंततः यीशु मसीह में पूरा होता है (मत्ती 12:39), जिन्होंने विद्रोही मानवजाति के लिए अनन्त उद्धार प्राप्त करने हेतु पृथ्वी के गर्भ में तीन दिन और तीन रात बिताए।

पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका

शास्त्र मार्गदर्शिका: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

शास्त्र तालिका

संदर्भ	कैसे उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या सिखाया	विश्वसनीयता
योना 1:4–17	पूरा पढ़ा गया, व्याख्या की गई	पूरे उपदेश में	तूफ़ान का मुख्य वृत्तांत, अन्यजाति मल्लाहों की प्रतिक्रिया, योना का भेद खुलना, उसका समुद्र में फेंका जाना, और परमेश्वर द्वारा मछली का प्रबंध किया जाना, जो अनुग्रह के पाँच साधनों को दर्शाता है।	उच्च
योना 1:2	उद्धृत किया गया, इब्रानी में तुलना की गई	अन्यजातियों के माध्यम से परोक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह	कप्तान की आज्ञा "उठ, पुकार!" ठीक उन्हीं इब्रानी आज्ञार्थक क्रियाओं (*qum*, *qara*) का उपयोग करती है जो परमेश्वर ने मूल रूप से योना से कही थीं, जो यह दिखाती हैं कि परमेश्वर अपनी उपेक्षित आज्ञा को एक अविश्वासी के द्वारा दोहरा रहे हैं।	उच्च
योना 3:9	संकेत दिया गया, उद्धृत किया गया	अन्यजातियों के माध्यम से परोक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह	कप्तान के शब्द ("शायद परमेश्वर हमारी सुधि ले, और हम नाश न हों") अध्याय 3 में नीनवे के राजा के फरमान के समान हैं, जो यह दिखाते हैं कि अन्यजाति दया की उस विनती का उदाहरण कैसे प्रस्तुत करते हैं जिसका योना ने विरोध किया था।	उच्च
योना 2	संकेत दिया गया	हमारी पहचान प्रकट करने वाले प्रश्न का अनुग्रह	मछली के पेट में योना की प्रार्थना, यद्यपि भजनों की उच्च काव्यात्मक भाषा से भरी है, टूटे हुए मन के पश्चाताप के बजाय धार्मिक घमंड और आत्म-धर्मी दृष्टिकोण को दर्शाती है।	उच्च
योना 4:6–8	संकेत दिया गया	तैयार की गई मछली और क्रूस का अनुग्रह	परमेश्वर न केवल मछली तैयार करते हैं, बल्कि बाद में एक पौधा, एक कीड़ा, और एक झुलसाने वाली पूर्वी हवा भी तैयार करते हैं ताकि वे योना का निरंतर पीछा करते रहें और उसे ताड़ना देते रहें जब तक कि उसका हृदय परमेश्वर की दया के अनुरूप न हो जाए।	उच्च

संदर्भ	कैसे उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या सिखाया	विश्वसनीयता
इब्रानियों 5	संकेत दिया गया	बाल-सुलभ विश्वास बनाम बचकानी माँगें	बचकाने विश्वास (जो अपनी ही माँगें मनवाता है और नखरे दिखाता है) और परिपक्व अथवा बाल-सुलभ विश्वास (जो तुरंत समाधान की माँग किए बिना परमेश्वर के व्यक्तित्व पर भरोसा करता है) के बीच भेद करता है।	उच्च
प्रेरितों 2:37	उद्धृत किया गया	अन्यजातियों के माध्यम से परोक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह	जब पतरस ने प्रचार किया, तो सुनने वालों के हृदय छिद गए और उन्होंने पूछा, "हे भाइयो, हम क्या करें?", जो परमेश्वर के भेदने वाले वचन के प्रति नम्र, पश्चातापी प्रतिक्रिया को दर्शाता है।	उच्च
प्रेरितों 7:54–60	संकेत दिया गया	अन्यजातियों के माध्यम से परोक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह	प्रेरितों 2 के विपरीत, जब स्तिफनुस ने प्रचार किया, तो धार्मिक अगुवों ने दाँत पीसे, अपने कान बंद कर लिए, और उसे पत्थरवाह किया, जो परमेश्वर के सत्य का सामना होने पर हृदय के कठोर होने के प्रति चेतावनी देता है।	उच्च
भजन संहिता 119:71	उद्धृत किया गया	हमारी पहचान प्रकट करने वाले प्रश्न का अनुग्रह	यह पुष्टि करता है कि क्लेश उद्देश्यपूर्ण और लाभकारी होता है ("मेरे लिए पीड़ित होना भला हुआ") क्योंकि यह आत्मिक संतुष्टि को चकनाचूर कर देता है और परमेश्वर के सामने आत्म-परीक्षण करने के लिए विवश करता है।	उच्च
1 कुरिन्थियों 10:13	उद्धृत किया गया	तैयार की गई मछली और क्रूस का अनुग्रह	परमेश्वर सच्चा है और वह अपने लोगों को उनकी सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में नहीं पड़ने देगा, बल्कि निकलने का उपाय (तैयार की गई मछली) भी निकालेगा ताकि वे सह सकें।	उच्च

संदर्भ	कैसे उपयोग किया गया	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या सिखाया	विश्वसनीयता
मत्ती 12:39	उद्धृत किया गया	तैयार की गई मछली और क्रूस का अनुग्रह	यीशु ने "योना के चिह्न" (मछली में तीन दिन और तीन रात) को अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के प्रमुख चिह्न के रूप में पहचाना, जिससे योना में परमेश्वर की दया क्रूस से जुड़ती है।	उच्च

आराधना में अन्य संदर्भ

संदर्भ	कैसे उपयोग किया गया	कहाँ	इससे क्या निष्कर्ष निकाला गया
अय्यूब 23:10	गाया गया, स्क्रीन पर दिखाया गया	सामूहिक स्तुति (~0:21:53–~0:23:18)	कलीसियाई आराधना के दौरान इस विश्वास को अंगीकार करने के लिए उपयोग किया गया कि परमेश्वर उस मार्ग को जानता है जिस पर हम चलते हैं, और जब वह हमें परख लेगा, तो हम सोने के समान निकलेंगे।
1 कुरिन्थियों 11:24 (**मत्ती 26:26** का संकेत)	ऊँचे स्वर में बोला गया	प्रभु भोज (~0:44:00)	रोटी पर प्रभु भोज की स्थापना के वचन, जो विश्वासियों के लिए दिए गए मसीह के शरीर का स्मरण करते हैं।
1 कुरिन्थियों 11:25 (**मत्ती 26:27–28** का संकेत)	ऊँचे स्वर में बोला गया	प्रभु भोज (~0:47:40)	कटोरे पर प्रभु भोज की स्थापना के वचन, जो मसीह के बहाए गए लहू में नई वाचा की घोषणा करते हैं।

बाइबलीय और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

योना की पुस्तक ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी में, उत्तरी इस्राएल राज्य के राजा यारोबाम द्वितीय के शासनकाल (2 राजा 14:25) की पृष्ठभूमि में रची गई है। यारोबाम द्वितीय के अधीन, इस्राएल ने भारी सैन्य विस्तार और आर्थिक समृद्धि का आनंद लिया, परंतु वह गहरे आत्मिक पतन, सामाजिक अन्याय, और राष्ट्रवादी घमंड का शिकार था, जैसा कि समकालीन नबियों आमोस और होशे ने धिक्कारा था। नीनवे में केंद्रित नव-अश्शूरी साम्राज्य, इस्राएल का क्रूर, साम्राज्यवादी कट्टर शत्रु था।

तर्शीश की ओर योना का भागना (भूमध्य सागर के पार, ठीक विपरीत दिशा में) केवल साहस की कमी नहीं थी, बल्कि ईश्वरीय चेतावनी देने से एक सोचा-समझा राष्ट्रवादी इनकार था, ताकि कहीं ऐसा न हो कि अन्यजाति नीनवे पश्चाताप कर ले और न्याय से बच जाए। जब परमेश्वर ने भूमध्य सागर पर एक अलौकिक तूफ़ान भेजकर हस्तक्षेप

किया, तो इस वृत्तांत ने इब्रानी नबी के आत्मिक अंधेपन और कठोर राष्ट्रवाद की तुलना अन्यजाति मल्लाहों के खुले दिल के भय, नम्रता, और नैतिक निष्ठा के साथ की।

पास्टर किम ने मुख्य अंशों को कैसे लागू किया

पास्टर किम ने योना 1:4–17 को केवल बच्चों की एक साधारण नैतिक कहानी के रूप में नहीं, बल्कि इब्रानी नबियों के साहित्य की एक उत्कृष्ट कृति के रूप में प्रस्तुत किया जो इस्राएल के आत्मिक घमंड और हठ को दर्शाती है। उन्होंने इस अंश को अनुग्रह के पाँच विशिष्ट साधनों (*은혜의 방편 / 은혜의 수단*) के इर्द-गिर्द व्यवस्थित किया:

1. **तूफ़ान (योना 1:4–5)**: दुःख-तकलीफें परमेश्वर की गंभीर दया हैं जिनका उद्देश्य हमें आत्मनिर्भरता, झूठी सुरक्षा, और मूर्तिपूजक लगाव से खाली करना है।
2. **कप्तान की डाँटती हुई आवाज़ (योना 1:6)**: जब विश्वासी परमेश्वर की स्पष्ट आवाज़ की अनदेखी करते हैं (योना 1:2), तो परमेश्वर बाहरी आवाज़ों का उपयोग करते हैं, यहाँ तक कि अविश्वासियों या सांसारिक परिस्थितियों का भी, ताकि वे अपने वचन को दोहरा सकें और उन्हें आत्मिक नींद से जगा सकें।
3. **चिट्ठी (योना 1:7)**: परमेश्वर का संप्रभु प्रबंध उस बात का मार्गदर्शन करता है जो सांसारिक आँखों को केवल संयोग लगती है, और वह संयोग को एक अनिवार्य ईश्वरीय आमने-सामने की मुठभेड़ में बदल देता है।
4. **नाविकों के प्रश्न (योना 1:8–12)**: दुःख-तकलीफें अस्तित्व संबंधी पूछताछ करने पर विवश करती हैं ("तू कौन है?"), जिससे उच्च रूढ़िवादी सिद्धांत ("मैं आकाश और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता का भय मानता हूँ") और अवज्ञाकारी आचरण के बीच की विनाशकारी खाई उजागर हो जाती है।
5. **मछली (योना 1:17)**: यहाँ तक कि जब मनुष्य का विद्रोह आत्मघाती सीमा तक पहुँच जाता है ("मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो"), तब भी परमेश्वर संप्रभु सुरक्षा और उद्धार तैयार करते हैं, जो क्रूस की छुटकारे वाली विजय की पूर्वछाया है (मत्ती 12:39)।

भूल-सुधार और स्पष्टीकरण

- उपदेश के भाग 2 में, पास्टर किम ने उल्लेख किया कि इब्रानियों 5 हमें "बचकानी आस्था" से आगे बढ़ने की चेतावनी देता है। इब्रानियों 5:11–14 विशेष रूप से विश्वासियों को आत्मिक दूध के आहार से आगे बढ़कर ठोस आहार और विवेक की ओर परिपक्व होने का आग्रह करता है। पास्टर किम ने इस "बचकानी आस्था" (*유치한 신앙*, जो आत्म-केंद्रित नखरे दिखाती है) की तुलना मसीह की "बाल-सुलभ विश्वास" (*어린아이와 같은 믿음*, जो बिना शर्त पिता के स्वभाव पर भरोसा करता है) की शिक्षा से की।
- भाग 3 में, पास्टर किम ने नातान द्वारा दाऊद का सामना करने (2 शमूएल 12) का उपयोग एक कठोर अंतःकरण को जगाने के लिए अप्रत्यक्ष कहानी सुनाने के परमेश्वर के एक प्राथमिक बाइबलीय उदाहरण के रूप में किया, और इसे योना को अन्यजाति कप्तान की अप्रत्यक्ष डाँट के साथ जोड़ा।
- भाग 5 में, पास्टर किम ने फ्रांसिस थॉम्पसन की प्रसिद्ध कविता *द हाउंड ऑफ़ हेवन* (मनुष्य का निरंतर पीछा करने वाला स्वर्गीय परमेश्वर) का संकेत दिया, ताकि अनुग्रह के पाँच साधनों के माध्यम से परमेश्वर के कभी न रुकने वाले, पीछा करने वाले प्रेम का वर्णन किया जा सके।

शब्द अध्ययन

शब्द अध्ययन: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

1. *Gadol* (גָּדוֹל)

- **सिखाया गया शब्द:** 가돌 (*gadol*)
- **मूल लिपि:** גָּדוֹל
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "बड़ा" या "महान।" पास्टर किम ने ध्यान दिलाया कि योना 1 के शुरुआती पदों में, यह शब्द बार-बार आता है ताकि परिस्थिति और घटनाओं की विशालता को रेखांकित किया जा सके (बड़ा नगर, बड़ी आंधी, बड़ा तूफ़ान, बड़ा भय, बड़ी मछली)।
- **शास्त्र संदर्भ:** योना 1:2, 1:4, 1:17
- **भाग का शीर्षक:** हमें खाली करने वाले दुःखों और तूफ़ानों का अनुग्रह

2. *Hitil* / *Tul* (הִטִּיל / טוּל)

- **सिखाया गया शब्द:** 던지다 (*deonjida*), 내던지다 (*naedeonjida*)
- **मूल लिपि:** טוּל (Hiphil: הִטִּיל)
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "फेंकना," "वेग से फेंकना," या "नीचे गिराना।" यद्यपि आधुनिक कोरियाई अनुवाद अक्सर पद 4 का अनुवाद परमेश्वर द्वारा हवा को "भेजने" या "चलाने" के रूप में करते हैं, लेकिन मूल इब्रानी क्रिया "वेग से फेंका" है। पास्टर किम ने इस बात पर बल दिया कि यह शब्द योना 1:4–17 में केंद्रीय साहित्यिक और धर्मशास्त्रीय विषय के रूप में कार्य करता है: यहोवा तूफ़ान को वेग से फेंकता है, मल्लाह माल को समुद्र में फेंकते हैं, योना उनसे कहता है कि उसे समुद्र में फेंक दें, और मल्लाह अंततः योना को समुद्र में फेंक देते हैं। यह परमेश्वर द्वारा ऐसी परिस्थितियों को तैयार करने को दर्शाता है जो लोगों को सांसारिक वस्तुओं और घमंड से खुद को खाली करने के लिए विवश करती हैं।
- **शास्त्र संदर्भ:** योना 1:4, 1:5, 1:12, 1:15
- **भाग का शीर्षक:** हमें खाली करने वाले दुःखों और तूफ़ानों का अनुग्रह

3. *Qum* और *Qara* (קָרָא / קוּם)

- **सिखाया गया शब्द:** 일어나라 (*ireonara*) / 외치라 (*oechira*), 부르짖으라 (*bureujijeura*)
- **मूल लिपि:** קוּם (*qum*) / קָרָא (*qara*)
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "उठ!" और "पुकार / ऊँचे स्वर में पुकार!" पास्टर किम ने प्रकट किया कि योना 1:6 में सोते हुए नबी को अन्यजाति जहाज के कप्तान की डाँट ("उठ, अपने देवता को पुकार!") ठीक उन्हीं दो इब्रानी आज्ञार्थक क्रियाओं का उपयोग करती है जो यहोवा ने योना 1:2 में सीधे योना से कही थीं ("उठकर उस बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर")। परमेश्वर ने अपने स्वयं के अनसुने ईश्वरीय आदेश को एक अविश्वासी अन्यजाति के मुँह में रख दिया ताकि योना चौंककर जाग जाए।

- **शास्त्र संदर्भ:** योना 1:2, 1:6
- **भाग का शीर्षक:** अन्यजातियों के माध्यम से परोक्ष रूप से बोलने वाले परमेश्वर का अनुग्रह

4. *Urim* और *Thummim* (אוּרִים וְתֻמִּים)

- **सिखाया गया शब्द:** 우림과 둠밈 (*Urim-gwa Dummim*)
- **मूल लिपि:** אוּרִים וְתֻמִּים
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "प्रकाश और पूर्णता" (온전함과 빛)। राष्ट्रीय संकट के समय में ईश्वरीय मार्गदर्शन और आवश्यकता को जानने के लिए इस्राएल के महायाजक के सीनेबंद में रखी जाने वाली पवित्र चिट्ठियाँ, जो यह दर्शाती हैं कि पवित्र शास्त्र में चिट्ठी डालना अंध जुआ नहीं बल्कि परमेश्वर की संप्रभु इच्छा को जानने का एक साधन था।
- **शास्त्र संदर्भ:** योना 1:7 (पुराने नियम में चिट्ठी डालने के संदर्भ में संकेत)
- **भाग का शीर्षक:** संयोग को निश्चयता में बदलने वाली चिट्ठी डालने का ईश्वरीय प्रबंध

5. *Religare* (लैटिन)

- **सिखाया गया शब्द:** 렐리가레 (*religare*)
- **मूल लिपि:** *religare* (लैटिन)
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "एक साथ बांधना," "जोड़ना," या "संबंध में प्रवेश करना" (관계하다, 연결을 맺다)। पास्टर किम ने धर्म की पश्चिमी मसीही समझ (जो लैटिन *religare* से ली गई है, जिसका अर्थ है परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत संबंध के माध्यम से अपनी सच्ची पहचान को जानना) की तुलना पूर्वी एशियाई बौद्ध अवधारणा *जोंग-ग्यो* (종교, 宗敎, जिसका अर्थ है सर्वोच्च, अंतिम दार्शनिक सिद्धांत) से की, और इस बात पर बल दिया कि एक व्यक्ति केवल व्यक्तिगत सृष्टिकर्ता के संबंध में ही जान सकता है कि वह वास्तव में कौन है।
- **शास्त्र संदर्भ:** योना 1:8–9
- **भाग का शीर्षक:** “तू कौन है?” हमारी पहचान प्रकट करने वाले प्रश्न का चौथा अनुग्रह

स्थान और समयरेखा

स्थान और समयरेखा: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

स्थानों की तालिका

स्थान का नाम	जैसा सिखाया गया, वहाँ क्या हुआ	आधुनिक स्थान	बाइबलीय संदर्भ
तर्शीश	वह दूर का पश्चिमी व्यापारिक बंदरगाह जहाँ योना ने एक व्यापारी मालवाहक जहाज पर सवार होकर यहोवा के सम्मुख से भागने का प्रयास किया था।	आमतौर पर दक्षिणी स्पेन (तटीय अंदालुसिया) में तार्तेसोस (Tartessos) के रूप में पहचाना जाता है	योना 1:3
याफ़ा	प्राचीन भूमध्यसागरीय बंदरगाह नगर जहाँ योना तर्शीश जाने वाले व्यापारी जहाज पर चढ़ा था।	आधुनिक जाफ़ा (तेल अवीव-याफ़ो, इस्राएल का दक्षिणी बंदरगाह ज़िला)	योना 1:3
भूमध्य सागर	वह समुद्र जिस पर यहोवा ने प्रचंड तूफ़ान भेजा, जहाँ अन्यजाति मल्लाहों ने अपना बहुमूल्य माल फेंक दिया, जहाँ चिट्ठियाँ डाली गईं, जहाँ योना को पानी में फेंक दिया गया, और जहाँ बड़ी मछली ने उसे निगल लिया।	भूमध्य सागर	योना 1:4–15
नीनवे	नव-अश्शूरी साम्राज्य की राजधानी जहाँ योना को जाने और पश्चाताप का प्रचार करने की आज्ञा दी गई थी, परंतु जिससे उसने बचने की कोशिश की क्योंकि उसने अन्यजाति शत्रुओं पर परमेश्वर द्वारा दया किए जाने का विरोध किया था।	आधुनिक मोसुल, उत्तरी इराक	योना 1:2; योना 3:1–3
गलील की झील	अंतर्देशीय मीठे पानी की झील जहाँ यीशु ने एक ही वचन से तूफ़ान को डाँटा, जिससे चेले उनके ईश्वरीय स्वरूप के प्रति अत्यंत विस्मय से भर गए, जो योना 1 में मल्लाहों के विस्मय से मेल खाता है।	गलील की झील (किन्नेरेत झील), उत्तरी इस्राएल	मत्ती 8:23–27; मरकुस 4:35–41 (भाग 5 में संकेत दिया गया)
जर्मनी	वह देश जहाँ पास्टर हून किम अपनी उम्र के चालीसवें दशक के उत्तरार्ध में सेवकाई से इस्तीफा देने के बाद बिना किसी आय और बढ़ते क्रेडिट कार्ड कर्ज के साथ तीन महीने रहे, और कोरिया लौटने पर दशमांश के अप्रत्याशित उपहार के माध्यम से परमेश्वर के चमत्कारी प्रबंध का अनुभव किया।	जर्मनी, पश्चिमी यूरोप	भाग 6 में व्यक्तिगत गवाही

समयरेखा तालिका

तिथि	घटना	बाइबलीय या ऐतिहासिक संदर्भ
लगभग 782–753 ईसा पूर्व	उत्तरी इस्राएल के राजा यारोबाम द्वितीय के समृद्ध शासनकाल के दौरान नबी योना की सेवकाई।	2 राजा 14:25; योना 1:1
लगभग 760 ईसा पूर्व	योना तर्शीश की ओर भागता है; परमेश्वर भूमध्य सागर पर तूफ़ान भेजते हैं; योना को समुद्र में फेंक दिया जाता है और बड़ी मछली उसे निगल लेती है।	योना 1:1–17
लगभग 30 / 33 ईस्वी	यीशु मसीह अपनी मृत्यु, दफ़न और पुनरुत्थान को दर्शाने के लिए "योना के चिह्न" (पृथ्वी के दिल में तीन दिन और तीन रात) का उल्लेख करते हैं।	मत्ती 12:39–40; लूका 11:29–30
लगभग 33 ईस्वी	पतरस पिन्तेकुस्त के दिन प्रचार करता है, और 3,000 सुनने वालों के हृदय छिद जाते हैं और वे पश्चाताप करते हैं (स्तिफनुस को पत्थरवाह करने वालों के विपरीत)।	प्रेरितों 2:37–41
लगभग 34–35 ईस्वी	स्तिफनुस महासभा के सामने प्रचार करता है; सुनने वाले दाँत पीसते हैं, अपने कान बंद कर लेते हैं, और उसे पत्थरवाह करके मार डालते हैं।	प्रेरितों 7:54–60
लगभग 2010 का दशक	पास्टर हून किम अपनी उम्र के चालीसवें दशक के उत्तरार्ध में तीन महीने जर्मनी में रहते हैं, जहाँ वे अपनी कलीसियाई सेवकाई शुरू करने के लिए परमेश्वर द्वारा संसाधन उपलब्ध कराने से पहले कर्ज और चिंता से जूझते हैं।	भाग 6 में व्यक्तिगत गवाही

शिक्षा की रूपरेखा

सिखाने की रूपरेखा: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:4-17
- **मुख्य विचार:** जीवन के तूफ़ानों में, परमेश्वर संप्रभुता से हमारा पीछा इसलिए नहीं करते कि हमें नष्ट करें, बल्कि इसलिए कि वे हमारे आत्मनिर्भरता के घमंड को ख़ाली कर दें और अनुग्रह के विभिन्न साधनों के द्वारा हमें वापस अपने पास खींच लाएँ।

भाग 1: वह तूफ़ान जो हमें ख़ाली करता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:4-5
- **अंतर्दृष्टि:** इब्रानी क्रिया *hitil* ("फेंकना" या "उछालना") बार-बार आती है और यह दिखाती है कि परमेश्वर ने तूफ़ान को समुद्र पर फेंका ताकि मल्लाह अपने माल को समुद्र में फेंक दें और योना को भी समुद्र में फेंक

दिया जाए। परमेश्वर हमारे झूठे सहारों को हिला देते हैं ताकि हमारे हाथों को ख़ाली कर सकें।

- **दृष्टांत:** तर्शीश जाने वाला वह व्यापारिक जहाज़ कीमती माल से लदे एक अंतरराष्ट्रीय मालवाहक विमान की तरह था। जीवित बचने के लिए सब कुछ पानी में फेंकना पड़ा।
- **बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास:** बचकाना विश्वास अपने स्वार्थ में तुरंत समाधान पाने की ज़िद करता है और नख़रे दिखाता है, जबकि बाल-सुलभ विश्वास परमेश्वर के स्वभाव पर सुरक्षित होकर विश्राम करता है (इब्रानियों 5)।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 1 (शीर्षक कार्ड), दृश्य 2 (शब्द अध्ययन: *Hitil*), दृश्य 3 (बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास)।

भाग 2: अनपेक्षित आवाज़ों के द्वारा परमेश्वर का बोलना

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:6 (तुलना करें योना 1:2; योना 3:9)
- **अंतर्दृष्टि:** जब योना ने परमेश्वर की सीधी आज्ञा की अनदेखी की, तब परमेश्वर ने एक मूर्तिपूजक कप्तान के द्वारा अपने वही शब्द दोहराए: "उठ, पुकार!" (*qum, qara*)। उस अविश्वासी ने उसी दया की माँग की जिसका प्रचार करने से योना ने इनकार कर दिया था।
- **दृष्टांत:** नातान ने चुराई गई भेड़ की कहानी के द्वारा दाऊद का सामना किया (2 शमूएल 12), जिससे दाऊद का आत्म-बचाव टूट गया और उसका छिपा हुआ पाप उजागर हो गया।
- **प्रतिक्रिया:** जब अनपेक्षित संदेशवाहकों द्वारा हमें चेताया जाए, तो हमें अपने मन को कठोर नहीं करना चाहिए, बल्कि ख़ुद को दीन करके पश्चाताप करना चाहिए (प्रेरितों के काम 2:37 बनाम प्रेरितों के काम 7:54-60)।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 4 (अनपेक्षित संदेशवाहकों के द्वारा परमेश्वर की आवाज़)।

भाग 3: ईश्वरीय प्रबंध जो संयोग को निश्चितता में बदल देता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:7
- **अंतर्दृष्टि:** जिसे मूर्तिपूजक भाग्य या संयोग मानते थे, वह वास्तव में परमेश्वर की संप्रभु इच्छा की निश्चित योजना थी। परमेश्वर ने अंधविश्वासी चिट्ठी डालने की प्रक्रिया को इस प्रकार निर्देशित किया कि वह सीधे योना की ओर इशारा करे।
- **दृष्टांत:** फ्रांसिस थॉम्पसन की कविता *द हाउंड ऑफ़ हेवन* (स्वर्ग का वह प्रेमी जो कभी पीछा नहीं छोड़ता): परमेश्वर भागती हुई आत्मा का लगातार पीछा करते हैं और तब तक हर दरवाज़ा बंद करते रहते हैं जब तक कि हम समर्पण न कर दें।
- **व्यावहारिक प्रयोग:** एक विश्वासी जो ज्योतिषी के पास गया था, उससे ज्योतिषी ने कहा, "जाओ और यीशु पर ठीक से विश्वास करो!" सच्चा विश्वास यह पहचानता है कि बार-बार आने वाले संकट केवल संयोग नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर द्वारा ठहराए गए अवसर हैं।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 5 (संयोग से ईश्वरीय निश्चितता की ओर)।

भाग 4: वह सवाल जो हमारी पहचान को प्रकट करता है

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:8-12; भजन संहिता 119:71
- **अंतर्दृष्टि:** मल्लाहों के तीखे सवालों ("तू कौन है?") ने योना के धर्मसैद्धांतिक अंगीकार ("मैं स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ, जिसने समुद्र को बनाया") और उसके विद्रोही, भागते हुए जीवन के बीच की गहरी खाई को उजागर कर दिया।
- **धर्म पर अंतर्दृष्टि:** धर्म (*religion*) शब्द लातिनी भाषा के *religare* ("बाँधना" या "संबंध जोड़ना") से आया है। हम अपनी पहचान अपने नाम, काम या राष्ट्रीयता से नहीं बना सकते, बल्कि केवल सृष्टिकर्ता के साथ अपने व्यक्तिगत संबंध से ही परिभाषित हो सकते हैं।
- **व्यावहारिक प्रयोग:** क्लेश हमारी व्यस्त, स्वाभाविक दिनचर्या को तोड़ देता है और हमें इस बात का सामना करने पर विवश करता है कि हम परमेश्वर के सामने वास्तव में कौन हैं।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 6 (तू कौन है?)।

भाग 5: ठहराई गई मछली और क्रूस की छाया

- **मुख्य शास्त्रवचन:** योना 1:13-17; 1 कुरिन्थियों 10:13; मत्ती 12:39
- **अंतर्दृष्टि:** योना ने पश्चाताप करने के बजाय डूब कर मरना बेहतर समझा, परंतु परमेश्वर ने उसे जीवित रखने के लिए एक बड़ी मछली ठहराई। परमेश्वर हर परीक्षा में निकलने का मार्ग भी तैयार करते हैं।
- **पास्टर किम की गवाही:** अपने जीवन के चालीसवें दशक के अंत में वे जर्मनी में बिना किसी आमदनी और भारी कर्ज़ के बोझ तले तीन महीने के लिए फँस गए थे। लेकिन जब वे वापस लौटे, तो परमेश्वर ने महीनों के इकट्ठे किए गए दशमांश के एक अप्रत्याशित उपहार के द्वारा उनका सारा कर्ज़ एक ही दिन में चुका दिया और उनकी चरवाहाई की बुलाहट की पुष्टि की।
- **चरमोत्कर्ष:** योना का चिन्ह यीशु मसीह में पूरा होता है, जो विद्रोही मानवजाति को बचाने के लिए मरे और तीसरे दिन जी उठे।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 7 (क्रूस: अनुग्रह का सर्वोच्च साधन)।

प्रतिक्रिया और प्रार्थना

- परमेश्वर के संप्रभु तूफ़ान से भागना बंद करें।
- अपने घमंड, आत्मनिर्भरता और धार्मिक मुखौटों को त्याग दें जिन्हें आप अब तक थामे हुए थे।
- यह विश्वास रखें कि जिस परमेश्वर ने तूफ़ान भेजा है, उसने आपको बचाने और पुनर्स्थापित करने के लिए पहले ही क्रूस का प्रबंध कर रखा है।

अध्ययन मार्गदर्शिका

छोटे समूह की अध्ययन मार्गदर्शिका: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

मुख्य सत्य

हमारे जीवन के भयंकर तूफ़ानों में, परमेश्वर लगातार हमारा पीछा इसलिए नहीं करते कि हमें नष्ट कर दें, बल्कि इसलिए कि वे हमारे आत्मनिर्भरता के घमंड को ख़ाली कर दें और विभिन्न संप्रभु अनुग्रह के साधनों के द्वारा हमें पश्चाताप की ओर खींच लाएँ।

मुख्य पद

> “तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था।”
>
> योना 1:4 (IRV)

पृष्ठभूमि की बातें

1. **योना की पुस्तक की साहित्यिक रचना:** यह बच्चों की कोई साधारण नैतिक कहानी नहीं है, बल्कि योना की पुस्तक इब्रानी भविष्यद्वाणी का एक अद्भुत व्यंग्यात्मक नमूना है। योना ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के इस्राएल के हठ, आत्मिक अंधेपन और राष्ट्रीयता के घमंड को दर्शाता है, जबकि मूर्तिपूजक मल्लाह यहोवा के सम्मुख नम्रता, नैतिक संवेदनशीलता और भय को प्रकट करते हैं।
2. **मुख्य क्रिया *Hitil* (फेंकना/उछालना):** इब्रानी क्रिया *hitil* योना 1 में चार बार आती है: यहोवा ने तूफ़ान को समुद्र पर फेंका (पद 4), मल्लाहों ने माल समुद्र में फेंका (पद 5), योना ने उनसे कहा कि उसे समुद्र में फेंक दें (पद 12), और नाविकों ने योना को समुद्र में फेंक दिया (पद 15)। यह दोहराव इस बात को उजागर करता है कि परमेश्वर ही सर्वोच्च नियंत्रक हैं जो मनुष्य के घमंड को ख़ाली करने के लिए परिस्थितियों का उपयोग करते हैं।
3. **जहाज़ के कप्तान की आज्ञा का आईना:** जब मूर्तिपूजक कप्तान सोए हुए योना से कहता है, "उठ, अपने देवता की दोहाई दे!" (पद 6), तो वह ठीक उन्हीं दो इब्रानी क्रियाओं (*qum*, *qara*) का उपयोग करता है जो परमेश्वर ने पद 2 में योना को आज्ञा देते हुए कही थीं ("उठ... और पुकार")। जब हम परमेश्वर की सीधी आवाज़ को अनसुना कर देते हैं, तो वे अक्सर सांसारिक और अनपेक्षित माध्यमों से अपने वचन को हमारे सामने दोहराते हैं।
4. **पहचान और *Religare*:** धर्म (*religion*) का लातिनी मूल शब्द *religare* है, जिसका अर्थ है "आपस में बाँधना" या "संबंध जोड़ना।" सच्ची पहचान सांसारिक उपलब्धियों, नौकरी के पदों या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से प्राप्त नहीं हो सकती, बल्कि केवल सृष्टिकर्ता के साथ एक जीवित और नम्र संबंध के माध्यम से ही मिल सकती है।

चर्चा के लिए प्रश्न

1. **वचन को समझना:** योना 1:4-6 पढ़ें। आपके विचार में योना जहाज़ के निचले भाग में गहरी नींद में कैसे सो सका, जबकि अनुभवी मूर्तिपूजक मल्लाह अपने प्राणों के डर से काँप रहे थे? यह आत्मिक सच्चाई से

मुँह मोड़ने के स्वभाव के बारे में क्या दर्शाता है?

2. **चेतावनियों की जाँच करना:** पद 6 में, परमेश्वर योना तक अपना संदेश पहुँचाने के लिए एक अविश्वासी जहाज़ के कप्तान का उपयोग करते हैं। क्या आप अपने जीवन के किसी ऐसे समय को याद कर सकते हैं जब परमेश्वर ने किसी अनपेक्षित व्यक्ति का उपयोग किया हो, जैसे कोई अविश्वासी, साथ काम करने वाला या परिवार का कोई सदस्य, जिसने आपकी किसी कमी को दिखाया हो या आपके जीवन में सच्चाई बोली हो? आपकी क्या प्रतिक्रिया थी?
3. **बाल-सुलभ बनाम बचकाना विश्वास:** पास्टर किम ने "बचकाने विश्वास" (ज़िद करना और अपने अनुसार समाधान माँगना) और "बाल-सुलभ विश्वास" (तुरंत उत्तर की माँग किए बिना परमेश्वर के भले स्वभाव पर भरोसा रखना) के बीच अंतर बताया। आपकी वर्तमान प्रार्थनाओं और संघर्षों में, इनमें से कौन सा दृष्टिकोण आपके रवैये को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?
4. **अंगीकार बनाम वास्तविकता:** पद 8-9 में, योना धर्मसिद्धांत की दृष्टि से बिल्कुल सही उत्तर देता है: "मैं स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा का भय मानता हूँ, जिसने समुद्र और सूखी भूमि दोनों को बनाया।" फिर भी उसके कदम उल्टी दिशा में भाग रहे थे। आपके जीवन में ऐसा कौन सा क्षेत्र है जहाँ आपके धर्मसैद्धांतिक ज्ञान और आपकी दैनिक आज्ञाकारिता के बीच अंतर है?
5. **व्यक्तिगत प्रयोग:** योना 1:17 और 1 कुरिन्थियों 10:13 पढ़ें। जब योना गहरे पानी में डूब रहा था, तब परमेश्वर ने उसे सँभालने के लिए एक बड़ी मछली ठहराई। आपको अपने जीवन के किस क्षेत्र में अपने स्वयं के समाधानों पर निर्भर रहना छोड़कर यह भरोसा करने की आवश्यकता है कि परमेश्वर ने आपके लिए अनुग्रह और छुटकारे का मार्ग पहले ही तैयार कर रखा है?

फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

जब जीवन के तूफ़ान आते हैं, तो परमेश्वर आपको छोड़ नहीं देते; वे आपके घमंड को ख़ाली करने और आपको अपने अनुग्रह की ओर वापस खींचने के लिए लगातार आपका पीछा करते हैं। अपने मनचाहे तरीक़े से बचने के लिए बचकानी ज़िद न करें, बल्कि उनकी संप्रभु दया पर भरोसा रखें। यहाँ तक कि गहरे से गहरे जल में भी, परमेश्वर आपके छुटकारे की तैयारी करते हैं।

“तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था।”, योना 1:4 (IRV)

प्रार्थना

“तूफान में अनुग्रह के पाँच साधन” के साथ एक प्रार्थना

योना 1:4-17

हे प्रभु, आप स्वर्ग के परमेश्वर हैं,
वह सृष्टिकर्ता जिसने समुद्र और सूखी भूमि को बनाया है।
जगत की नींव पड़ने से पहले ही आपने हमें चुना और हमें बुलाया है।

हमारे जीवन में कुछ भी संयोग से नहीं होता,
क्योंकि आप अपनी सर्वोच्च संप्रभुता से हर घटना पर शासन करते हैं।
आप हमारे पिता, हमारे चरवाहे और हमारे प्रभु हैं,
और आपका स्वभाव हमारे पूरे भरोसे के योग्य है।

भागने वालों के प्रति आपकी दया कितनी अटूट है!
आप हमें पूरी तरह मिटा सकते थे,
फिर भी आप हमें अपनी ओर वापस मोड़ने के लिए प्रेम से हमारा पीछा करते हैं।
आप हमारे झूठे सहारों को हिला देने के लिए बड़ी आँधी भेजते हैं,
परन्तु आपके अनुग्रह से टूटता हुआ जहाज डूबता नहीं है।
एक ही वचन से आप गरजते हुए समुद्र को शांत कर देते हैं,
और जो हाथ आँधी भेजता है, वही हमें बचाने के लिए मछली का प्रबंध भी करता है।

हे प्रभु, हमें क्षमा करें कि हम आपकी उपस्थिति से भागे हैं
और इस भ्रम में सोते रहे हैं कि हम सुरक्षित हैं।
योना की तरह, हम धार्मिक घमंड के साथ बातें तो सही करते हैं,
परन्तु चलते बिल्कुल उल्टी दिशा में हैं।
जब आपका सत्य हमारे छिपे हुए पाप को उजागर करता है,
तब हम क्रोध में एक दीवार खड़ी कर लेते हैं और अपने मनों को कठोर कर लेते हैं।
संकट के समय हम आपकी ओर देखने के बजाय,
बच्चों की तरह ज़िद करते हैं और अपने ही मनचाहे उत्तर माँगते हैं।
मसीह में हम पर दया करें, ताकि हम नाश न हों।

हम दया के उन सभी साधनों के लिए आपका धन्यवाद करते हैं जो हमें वापस आपकी ओर मोड़ते हैं:
उन आँधियों के लिए जो हमारे हाथों को खाली कर देती हैं,
उन आवाज़ों के लिए जो हमें नींद से जगाती हैं,
आपकी संप्रभुता की उस चिट्ठी और उन प्रश्नों के लिए जो हमें दिखाते हैं कि हम कौन हैं,
और उस मछली के लिए जिसे आप हमें बचाने के लिए तैयार करते हैं।
सबसे बढ़कर, हम योना के चिन्ह के लिए आपका धन्यवाद करते हैं,
जो हमें यीशु मसीह के क्रूस के अनुग्रह की ओर ले जाता है।

हमारी सहायता करें कि हम उस बोझ को समुद्र में फेंक दें जिसे हम पकड़े हुए हैं,
हमारा धन, हमारी उपलब्धियाँ, और हमारा धार्मिक अहंकार,
ताकि हम एक बालक के समान विश्वास के साथ आप पर भरोसा कर सकें।
जब कभी आप बोलें, चाहे किसी अविश्वासी के माध्यम से ही क्यों न हो,
हमारी कलीसिया के हृदय को नम्र पश्चाताप से छेद दें,
ताकि हम आपके अनुग्रह के ठहराए हुए समय को कभी न चूकें।
जीवन की आँधियों में घिरे हमारे पड़ोसियों को जगाएँ कि वे आपके नाम का भय मानें और आपकी दया को खोजें।

हे प्रभु, हम यहाँ उपस्थित हैं।
अपने घमंड और अपने ही उपायों से खाली होकर,
हम स्वयं को जीवित बलिदान के रूप में आपको अर्पित करते हैं।
हमें भेजें कि हम उठें, जाएँ, और आपके वचन की पुकार लगाएँ।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा,
जिन्हें आपके और पवित्र आत्मा के साथ
सदा सर्वदा सारा आदर और महिमा मिलती रहे।
आमीन।

आशीष

शांति का परमेश्वर, जो सनातन वाचा के लहू के द्वारा
भेड़ों के महान रखवाले, हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाकर वापस ले आया,
आपको अपनी इच्छा पूरी करने के लिए हर अच्छी बात से सुसज्जित करे,
और यीशु मसीह के द्वारा हमारे भीतर वह काम करे जो उसे प्रसन्न करता है। आमीन।[1]

---

[1] इब्रानियों 13:20-21 पर आधारित।

इस प्रार्थना का वचनीय आधार: योना 1:4-17; योना 1:2; मत्ती 18:3; प्रेरितों के काम 2:37; इफिसियों 1:4; मरकुस 4:39-41; मत्ती 12:39-40; इब्रानियों 13:20-21।

पास्टर हून किम के उपदेश के साथ, AI की सहायता से लिखी गई एक प्रार्थना। ये उनके अपने शब्द नहीं हैं। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

दोहराने के प्रश्न

समीक्षा प्रश्नोत्तरी: तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन

इस पाठ में प्रस्तुत बाइबलीय शिक्षा और धर्मसैद्धांतिक सिद्धांतों की अपनी समझ की जाँच करें।

प्रश्न

1. पास्टर हून किम ने बाइबल को केवल सतही और शब्द-दर-शब्द शाब्दिक अर्थ में पढ़ने के ख़तरे से आगाह करने के लिए कोरियाई संस्कृति के किस मज़ाकिया दृष्टांत का उपयोग किया?
2. A) मिट्टी के बर्तनों में ख़मीर किया हुआ किमची
3. B) दादी की हड्डियों वाला हैंगओवर सूप (*halmeoni ppye-haejangguk*)
4. C) उड़ने वाले फिश केक
5. D) लाल मिर्च के पेस्ट वाला हॉट पॉट

1. योना 1:4-17 में कौन सी इब्रानी क्रिया बार-बार आकर मुख्य साहित्यिक और धर्मसैद्धांतिक विषय के रूप में कार्य करती है?
2. A) *Shub* (लौटना)
3. B) *Gadol* (महान या बड़ा)
4. C) *Hitil* / *Tul* (फेंकना या उछालना)
5. D) *Barak* (आशीष देना)

1. पास्टर किम के अनुसार, "बचकाने विश्वास" और "बाल-सुलभ विश्वास" के बीच क्या बुनियादी अंतर है? (संक्षिप्त उत्तर)

1. योना 1:6 में, जहाज़ का कप्तान योना को आज्ञा देता है, "उठ और पुकार!" यह आज्ञा योना के लिए आत्मिक रूप से झकझोर देने वाली क्यों थी?
2. A) कप्तान धाराप्रवाह इब्रानी बोल रहा था।
3. B) इसमें ठीक वही इब्रानी आज्ञावाचक क्रियाएँ (*qum*, *qara*) थीं जो परमेश्वर ने योना 1:2 में योना से कही थीं।
4. C) कप्तान ने योना को धमकी दी कि यदि उसने इनकार किया तो वह उसे तुरंत मार डालेगा।
5. D) कप्तान यरूशलेम से आया हुआ एक गुप्त नबी था।

1. पास्टर किम ने पुराने नियम की किस कहानी का उपयोग यह दर्शाने के लिए किया कि परमेश्वर एक कठोर पापी के दोष को उजागर करने के लिए एक अप्रत्यक्ष कहानी का उपयोग करते हैं?
2. A) एलिय्याह द्वारा कर्मेल पर्वत पर अहाब का सामना करना
3. B) नातान द्वारा दाऊद को निर्धन मनुष्य की मेम्नी का दृष्टांत सुनाना
4. C) मूसा द्वारा दस विपत्तियों के साथ फ़िरौन का सामना करना
5. D) शमूएल द्वारा अमालेकियों के पशुओं को लेकर शाऊल का सामना करना

1. अंधे भाग्य या संयोग के मूर्तिपूजक दृष्टिकोण के विपरीत पवित्र शास्त्र चिट्ठी डालने को किस रूप में देखता है?
2. A) एक दुष्टात्मा संबंधी पाप के रूप में जो इस्राएल में हमेशा वर्जित था।
3. B) ईश्वरीय प्रबंध के एक साधन के रूप में जिसके द्वारा परमेश्वर अपनी संप्रभु निश्चित इच्छा को प्रकट करते हैं।
4. C) बिना किसी आत्मिक महत्व के केवल एक मानवीय खेल के रूप में।
5. D) एक पुरानी मिस्री प्रथा के रूप में।

1. पास्टर किम ने "धर्म" (*religion*) की पश्चिमी अवधारणा को किस लातिनी शब्द से जोड़ा, और इसका क्या अर्थ है?
2. A) *Regere* (शासन करना)

3. B) *Religare* (आपस में बाँधना, जोड़ना, या संबंध में आना)
4. C) *Relevare* (राहत देना या हल्का करना)
5. D) *Renovare* (नया करना)

1. योना 1:9 में मल्लाहों के सामने योना के अंगीकार में कौन सा प्रत्यक्ष विरोधाभास था? (संक्षिप्त उत्तर)

1. पास्टर किम की व्यक्तिगत गवाही में, जब वे जर्मनी में रहने के बाद भारी कर्ज़ के बोझ तले दबे थे, तब परमेश्वर ने "ठहराई गई मछली" के अनुग्रह को कैसे प्रकट किया?
2. A) उन्हें कलीसिया स्थापना के लिए एक सरकारी अनुदान मिला।
3. B) एक प्रकाशन संस्थान ने उनकी पुस्तक के अधिकार ख़रीदे।
4. C) कलीसिया के एक डीकन ने गुप्त रूप से कई महीनों का दशमांश इकट्ठा किया और उन्हें दे दिया, जिससे एक ही दिन में सारा कर्ज़ उतर गया।
5. D) जर्मनी में उनके मित्र ने उनके रहने-खाने का सारा ख़र्च माफ़ कर दिया।

1. मत्ती 12:39 के अनुसार, "योना का चिन्ह" अपनी अंतिम उद्धारकारी परिपूर्णता कैसे पाता है?
2. A) मूर्तिपूजक सांसारिक साम्राज्यों के विनाश में
3. B) क्रूस पर यीशु मसीह के तीन दिन के दफ़न होने और पुनरुत्थान में
4. C) बाबेल से यहूदी निर्वासियों की वापसी में
5. D) जंगल में भोजन के अलौकिक प्रबंध में

उत्तर कुंजी

1. **B**, दादी की हड्डियों वाला हैंगओवर सूप (भाग 1)। पास्टर किम ने इस बोर्ड का उदाहरण यह दिखाने के लिए दिया कि संदर्भ और मुहावरे को समझे बिना केवल शाब्दिक अर्थ निकालने से हास्यास्पद और विनाशकारी ग़लतियाँ हो सकती हैं।
2. **C**, *Hitil* / *Tul* (फेंकना या उछालना) (भाग 1)। यहोवा ने आँधी को समुद्र पर फेंका, मल्लाहों ने माल फेंका, योना ने उनसे कहा कि उसे फेंक दें, और नाविकों ने उसे समुद्र में फेंक दिया।
3. **बचकाना विश्वास** अपने स्वार्थ में नख़रे दिखाता है और अपनी मनमर्ज़ी के समाधान की माँग करता है, जबकि **बाल-सुलभ विश्वास** तुरंत उत्तर की माँग किए बिना परमेश्वर के स्वभाव, उनके पितापन और उनकी भलाई पर स्वयं भरोसा रखता है (भाग 2)।
4. **B**, इसमें ठीक वही इब्रानी आज्ञावाचक क्रियाएँ (*qum*, *qara*) थीं जो परमेश्वर ने योना 1:2 में योना से कही थीं (भाग 3)। परमेश्वर ने अपने अनसुने किए गए वचन को एक मूर्तिपूजक कप्तान के मुख में रख दिया।
5. **B**, नातान द्वारा 2 शमूएल 12 में दाऊद को निर्धन मनुष्य की मेम्नी का दृष्टांत सुनाना (भाग 3)।
6. **B**, ईश्वरीय प्रबंध के एक साधन के रूप में जिसके द्वारा परमेश्वर अपनी संप्रभु निश्चित इच्छा को प्रकट करते हैं (भाग 4)। जिसे संसार संयोग कहता है, वह परमेश्वर का संप्रभु ठहराव है।

7. **B**, *Religare* (आपस में बाँधना, जोड़ना, या संबंध में आना) (भाग 5)। मनुष्य की सच्ची पहचान केवल सृष्टिकर्ता के साथ संबंध में ही पाई जाती है।
8. योना ने दावा किया कि वह समुद्र और सूखी भूमि के सृष्टिकर्ता यहोवा का भय मानता है, फिर भी वह यहोवा की उपस्थिति से भागने के लिए समुद्र का ही उपयोग कर रहा था; उसका धर्मसैद्धांतिक अंगीकार उसके आज्ञा न मानने वाले जीवन के बिल्कुल विपरीत था (भाग 5)।
9. **C**, कलीसिया के एक डीकन ने गुप्त रूप से कई महीनों का दशमांश इकट्ठा किया और कोरिया लौटने पर उन्हें सौंप दिया, जिससे उनके क्रेडिट कार्ड का लाखों वॉन का कर्ज़ एक ही दिन में चुकता हो गया (भाग 6)।
10. **B**, क्रूस पर यीशु मसीह के तीन दिन के दफ़न होने और पुनरुत्थान में (भाग 6)।

तीन मिनट में

तीन मिनट में प्रवचन

N.E.W. Church के पास्टर हून किम द्वारा सिखाए गए, योना अध्याय एक, पद चार से सत्रह पर आधारित, आज के संदेश "तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन" में आपका स्वागत है। जब हमारे जीवन में तूफ़ान आते हैं, तो हम अक्सर केवल तुरंत समाधान ढूँढ़ने लगते हैं, लेकिन दुख-तकलीफ़ कभी भी दुर्घटनावश नहीं आती। परमेश्वर ने योना पर एक प्रचंड आँधी इसलिए नहीं भेजी कि उसे नष्ट कर दे, बल्कि यह उसकी कभी न रुकने वाली दया का कार्य था। जहाज़ टूटने पर था, फिर भी वह डूबा नहीं। उस आँधी में, मल्लाहों ने जहाज़ को हल्का करने के लिए माल समुद्र में फेंक दिया। ठीक उसी तरह, परमेश्वर कठिनाइयों का उपयोग हमें हमारी आत्मनिर्भरता, हमारी संपत्ति और हमारे धार्मिक घमंड से ख़ाली करने के लिए करता है ताकि अंततः हम उसकी ओर देखें। परमेश्वर हमें तूफ़ान में अनुग्रह के पाँच साधन प्रदान करता है। पहला, वह दुख-तकलीफ़ के ज़रिए हमें ख़ाली करता है ताकि हम बच्चों जैसा विश्वास सीखें जो उसके स्वभाव पर भरोसा करता है। दूसरा, वह अप्रत्यक्ष रूप से बात करता है। जब योना जहाज़ के निचले भाग में सो रहा था, तो एक अन्यजाति के कप्तान ने उसे जगाया और ठीक उन्हीं शब्दों का उपयोग किया जो परमेश्वर ने उसे दिए थे, कि उठ और अपने परमेश्वर की दोहाई दे। परमेश्वर हमारे मनों को झकझोरने और हमें पश्चाताप के लिए बुलाने के लिए किसी का भी, यहाँ तक कि एक अविश्वासी का भी उपयोग कर सकता है। तीसरा, परमेश्वर चिट्ठियाँ डालने के ज़रिए अपने ईश्वरीय प्रबंध को प्रकट करता है। जिसे दुनिया संयोग या भाग्य कहती है, वह वास्तव में परमेश्वर का अवसर को ईश्वरीय निश्चय में बदलना है ताकि वह हमें अपना हाथ दिखा सके। चौथा, परमेश्वर मल्लाहों के सवालों के ज़रिए हमारी सच्ची पहचान का सामना करवाता है। जब उन्होंने योना से पूछा कि वह कौन है, तो उसने एक पारंपरिक धर्मसैद्धांतिक उत्तर दिया, फिर भी उसका जीवन विपरीत दिशा में भाग रहा था। परमेश्वर हमसे पूछता है कि हम कौन हैं ताकि हमारा जीवन वास्तव में हमारे अंगीकार से मेल खाए। अंत में, परमेश्वर उद्धार का प्रबंध करता है। यहाँ तक कि जब योना ने आत्मसमर्पण करने के बजाय डूब जाना बेहतर समझा, तब भी परमेश्वर ने एक बड़ी मछली का प्रबंध किया। पास्टर किम ने साझा किया कि चालीस वर्ष की आयु के उत्तरार्ध में वे तीन महीने जर्मनी में रहे थे, जब उन्होंने त्यागपत्र दे दिया था और उनके पास न तो पैसे थे, न घर था, और क्रेडिट कार्ड का क़र्ज़ बढ़ता जा रहा था। वे सोच रहे थे कि क्या जीवित रहने के लिए उन्हें डिलीवरी ट्रक चलाना पड़ेगा। फिर भी जब वे कोरिया लौटे, तो एक डीकन ने कई महीनों से दशमांश

अलग रखा हुआ था, जिससे ठीक उतनी ही राशि मिल गई जितनी क़र्ज़ को एक ही बार में चुकाने के लिए चाहिए थी। वह परमेश्वर द्वारा ठहराई गई मछली थी, जिसने सेवकाई में उनकी बुलाहट की पुष्टि की। जो परमेश्वर तूफ़ान भेजता है, वही मछली भी तैयार करता है। वह अनुग्रह के साथ लगातार हमारा पीछा करता है, और पूरे रास्ते क्रूस की ओर हमारा मार्गदर्शन करता है।

एक सप्ताह के WhatsApp संदेश

दिन 1

योना 1:4-5

हमारे जीवन में दुख-तकलीफ़ दुर्घटनावश नहीं आती। परमेश्वर ने प्रचंड आँधी चलाई ताकि जहाज़ से उसका माल ख़ाली कर दिया जाए। वह हमारे झूठे आश्रयों को हिला देता है ताकि हम जिन चीज़ों को थामे हुए हैं, वे छूट जाएँ, और वह दया दिखाता है ताकि अंततः हम उसकी ओर देखें।

प्रश्न: परमेश्वर आज आपसे किस सुरक्षा या सहारे को ख़ाली करने के लिए कह रहा है?

दिन 2

योना 1:6

जब योना आत्मिक सुस्ती में सो रहा था, तब एक अन्यजाति के कप्तान ने ठीक उसी आज्ञा का उपयोग करके उसे जगाया जो परमेश्वर ने पहले दी थी। हम जो छिपाने की कोशिश करते हैं, उसे उजागर करने के लिए परमेश्वर अक्सर अप्रत्याशित लोगों या परिस्थितियों के ज़रिए अप्रत्यक्ष रूप से बात करता है। जब सच्चाई आपके अंतःकरण को झकझोरे, तो क्रोधित होने के बजाय इसे अनुग्रह समझें।

प्रश्न: क्या परमेश्वर किसी के ज़रिए आपको कोई ऐसी सच्चाई बता रहा है जो आपको असहज कर रही है?

दिन 3

योना 1:7

यह पता लगाने के लिए कि यह विपत्ति किस कारण से आई है, मल्लाहों ने चिट्ठियाँ डालीं, और परमेश्वर ने चिट्ठी योना के नाम पर निकलवाई। जिसे लोग संयोग या भाग्य समझते हैं, वह अक्सर परमेश्वर की संप्रभु आवश्यकता होती है। वह परिस्थितियों को इस तरह व्यवस्थित करता है कि हम उसके हाथ को पहचान सकें ताकि हम भागना बंद कर दें।

प्रश्न: आप अपनी परिस्थितियों का मार्गदर्शन करते हुए परमेश्वर के ईश्वरीय प्रबंध को कहाँ देख सकते हैं?

दिन 4

योना 1:8-9

मल्लाहों ने योना से पूछा कि वह कौन है और कहाँ से आया है। योना ने एक पारंपरिक धर्मसैद्धांतिक अंगीकार किया, फिर भी उसका जीवन विपरीत दिशा में जा रहा था। संकट के समय में, परमेश्वर पूछता है कि आप कौन हैं ताकि आपका दैनिक जीवन उस बात से मेल खाए जिसका आप अंगीकार करते हैं।

प्रश्न: क्या आपका रोज़मर्रा का जीवन उस सच्चाई से मेल खाता है जो आप परमेश्वर के विषय में बताते हैं?

दिन 5

योना 1:17

यहाँ तक कि जब योना ने समुद्र में फेंक दिए जाने का चुनाव किया, तब भी परमेश्वर ने उसे निगलने के लिए एक बड़ी मछली का प्रबंध किया। वही परमेश्वर जो तूफ़ान भेजता है, हमारे छुटकारे के लिए मछली भी तैयार करता है। उसका कभी न हार मानने वाला अनुग्रह हमें कभी नहीं छोड़ता, और पूरे रास्ते क्रूस तक हमारी अगुवाई करता है।

प्रश्न: परमेश्वर की दया की प्रतिज्ञा आपके तूफ़ान में आपको कैसे शांति देती है?

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.